nt>

Title: Need to lift the ban on Muhane Water Project in Gaya, Bihar by the Ministry of Forest and Environment.

श्री धीरेन्द्र अग्रवाल (चतरा) : सभापति महोदय, मध्य बिहार का गया जिला आज़ादी के ५० वर्षों बाद भी घोर गरीबी और बेरोज़गारी की चपेट में है। विकास की गति नहीं के बराबर है। असंतोष के कारण पूरा क्षेत्र उग्रवाद की चपेट में आ गया है। इस क्षेत्र के विकास हेतु आठवीं पंचवर्षीय योजना में मोहनपुर बाराचट्टी प्रखंड में मुहाने जलाशय परियोजना को स्वीकृत किया गया था और इसी आठवीं योजना के अंतर्गत ही पूरा कर लिया जाना था। इससे क्षेत्र की करीब ८५,००० एकड़ भूमि की सिंचाई होती तथा ३० मैगावाट विद्युत उत्पादन का लक्षय रहता। लेकिन उस पर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा रोक लगा दी गई है जबकि गौतम बुद्ध वन्य प्राणी स्थली का भूभाग इस परियोजना से प्रभावित नहीं होता है, न ही इससे वन्य प्राणियों को कोई नुकसान होता है। बल्कि जो वन्य प्राणी पानी की तलाश में गांवों की तरफ जाते हैं, वह मारे जाते हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से इस योजना पर अविलंब रोक हटाने का कष्ट कराया जाए ताकि इस योजना को नवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया जा सके।